ओ3म्

संस्कृत विभाग

गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

1. संस्कृत विभाग का सामान्य परिचय

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के स्थापना काल 4 मार्च 1902 से ही संस्कृत विभाग, संस्था के प्रमुख विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। 1962 में मानद विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त होने के बाद भी यह विभाग विश्वविद्यालय के मुख्य विभाग की भूमिका पूर्ण दायित्व के साथ निभा रहा है।

संस्कृत विभाग में पांच पद स्वीकृत हैं।

1. प्रोफेसर 1 रीडर (एसोसिएट प्रोफेसर) 3 प्रवक्ता (असिस्टेंट प्रोफेसर)

समस्त पदों पर शिक्षक नियुक्त हैं तथा योग्यता एवं निष्ठापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

2. विभाग में चल रहे पाठ्यक्रम–

(क)स्नातक स्तर–

स्नातक स्तर पर वेदालंकार (संस्कृत, वेद, दर्शन में विशिष्ट अध्ययन), विद्यालंकार (संस्कृत वेद विषय के साथ आधुनिक विषयों का अध्ययन) का पाठ्यक्रम चलाया जाता है, जो निम्नप्रकार से है–

स्नातक स्तर पाठ्यक्रम–

वेदालंकार/विद्यालंकार प्रथम वर्ष

पूर्णांक 70+5=75

(क) सामान्य

1.	संस्कृत वाग्व्यवहार (सम्भाषण) विभागीय प्राध्यापक के द्वारा दिये जायेंगे।	05
2.	सन्धि–लघुकौमुदी के अनुसार कारकीयः – वेदांग प्रकाश – स्वामी दयानन्द	30
3.	रघुवंश–13वांसर्ग स्वप्नवासवदत्तम् नाटकम्	30
4.	अनुवाद हिन्दी से संस्कृत (चतुर्थ खण्ड में से 15 अंक का उत्तर संस्कृत में देय होगा) पठित कवियों तथा विषयों की समीक्षा परक प्रश्न अवश्य पूछे जायेंगे।	10

सहायक ग्रन्थ

1 संस्कृतस्य व्यवहारिकस्वरूपम् – डॉ. नरेन्द्र, श्री अरविन्द
2. सस्कृतवाक्यप्रबोध– स्वामी दयानन्द
3. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी
5. रघुवंश
6. स्वप्न वासवदत्तम्
7. वेदांग प्रकाश – कारकीयम् – स्वामीदयानन्द सरस्वती

(ख) विशेष

पूर्णांक 70+5=75

1.	संस्कृत वाग्व्यवहार (वाग्वर्धिनीसभा) विभागीय प्राध्यापक के द्वारा दिये जायेंगे।	5
2.	कुमार सम्भव (पंचम सर्ग) शिशुपाल वध (द्वितीय सर्ग)	30
3.	साहित्य दर्पण (प्रथम परिच्छेद)	15
4.	अनुवाद कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य में	10
5.	रामायण बालकाण्ड (प्रथम अध्याय)	15

नोटः— सम्बन्धित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में लिखना होगा।

सहायक ग्रन्थः—

1. कुमार सम्भव— चौखम्बा विद्याभवन
2. शिशुपाल वध— चौखम्बा विद्याभवन
3. साहित्य दर्पण— डॉ0 सत्यव्रत सिंह
4. अनुवाद चन्द्रिका — चक्रधर हंस नौटियाल
5. संस्कृत कविदर्शन — डॉ0 भोलाशंकर व्यास
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास — आचार्य बलदेव उपाध्याय
7. बाल्मीकि रामयणम्— (गीताप्रेस, गोरखपुर)

द्वितीय वर्ष

पूर्णांक 70+5=75

(क) सामान्य

1. संस्कृत वाग्व्यवहार (सम्भाषण) (वाग्वर्धिनि सभा) विभागीय प्राध्यापक के द्वारा दिये जायेंगे। 5
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् (1 से 4 अंक) 35
   (श्लोक व्याख्या — 16, गद्य व्याख्या — 6, सूक्ति व्याख्या — 10, आलोचनात्मक प्रश्न—13)
3. शुकनासोपदेश, कादम्बरी (दो गद्य खण्ड की व्याख्या) 20
4. तर्क संग्रह— दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 15
   अभिज्ञान शाकुन्तलम् से आलोचनात्मक प्रश्न संस्कृत में पूछा जायेगा।

सहायक ग्रन्थ

1 अभिज्ञान शाकुन्तलम् — सुबोध चन्द्रपंत, मोतीलाल बनारसीदास
  डॉ0 निरूपण विद्यालंकार— साहित्य भण्डार
2. शुकनासोपदेश — साहित्य भण्डार, मेरठ
3. तर्क संग्रह— दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

(ख) विशेष

पूर्णांक 70+5=75

1. संस्कृत वाग्व्यवहार (वाग्वर्धिनीसभा) विभागीय प्राध्यापक के द्वारा दिये जायेंगे। 5
2. बुद्धचरितम् — (तृतीय सर्ग) (दो श्लोक की व्याख्या— 9 आलोचनात्मक — 9 15
3. समास, पूर्व कृदन्त एवं कृत्यप्रत्यय (अर्थोदाहरण मात्र)— लघु सिद्धान्त कौमूदी में से 25(10+10+5)
4. प्रतिमा नाटकम् (भास)— (दो श्लोकों की व्याख्या— 10, आलोचनात्मक— 10) 20
5. अनुवाद— हिन्दी से संस्कृत— 10
   बुद्धचरित एवं प्रतिमा नाटक में से आलोचनात्मक प्रश्न संस्कृत मे ंपूछा जायेगा

सहायक ग्रन्थ

1. बुद्धचरितम्— अश्वघोष
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी
3. प्रतिमा नाटकम्— श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली
4. रचनानुवाद कौमुदी— डॉ0 कपिलदेव शास्त्री

तृतीय वर्ष

पूर्णांक 70+5=75

(क) सामान्य

1. संस्कृत वाग्व्यवहार (वाग्वर्धिनि सभा) (विभागीय प्राध्यापक के द्वारा दिये जायेंगे) 5
2. विक्रमांकदेव चरितम् 20

3. मनुस्मृति – (1–2 अध्याय) 20
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र– (प्रथम अधिकरण) 20
5. अनुवाद– (हिन्दी से संस्कृत) 10
   विक्रमांकदेव चरितम् से 10 अंक की व्याख्या संस्कृत में पूछी जायेगी

सहायक ग्रन्थ

1 विक्रमांकदेव चरितम्– विल्हण
2. मनुस्मृति
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र
4. रचनानुवाद कौमुदी

(ख) विशेष

पूर्णांक 70+5=75

1. संस्कृत वाग्व्यवहार (विभागीय प्राध्यापक के द्वारा दिये जायेंगे। 5
2. साहित्यदर्पण दूसरा एवं तीसरा परिच्छेद (28 कारिका पर्यन्त) 20
3. अष्टाध्यायी – चतुर्थ अध्याय प्रथम पाद (अर्थ उदाहरण मात्र) 20
4. महाभारत शान्ति पर्व 192वाँ अध्याय (संस्करण लिखना अनिवार्य है) 15
5. संस्कृत कवियों का सामान्य परिचय – (बाल्मीकि, व्यास, कालिदास, भवभूति, भारवि, माघ, श्री हर्ष) 15

सहायक ग्रन्थ

1. साहित्यदर्पण
2. अष्टाध्यायी– भाष्य
3. काशिकावृत्ति.
4. महाभारत
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास

नोट– अलंकार के सभी पत्रों का उत्तर संस्कृत भाषा में भी दिया जा सकता है।

वेदालंकार/विद्यालंकार– तीनो वर्षों की छात्र संख्या सत्र 2009–2010

	वेदालंकार		विद्यालंकार		
प्रथम वर्ष	9	+	39	=	48
द्वितीय वर्ष	3	+	35	=	38
तृतीय वर्ष	4	+	17	=	21
कुल योग					**107**

(ख) एम0 ए0 स्तर–

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में संस्कृत साहित्य विषय में एम.ए. का पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

एम0 ए0 स्तर पाठ्यक्रम–

एम0ए0
संस्कृत साहित्य

इस विषय में 10 प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र 3 घण्टे समय तथा 100 पूर्णांकों का होगा। पांच पत्र प्रथम खण्ड में तथा पांच द्वितीय खण्ड में होंगे।

प्रथम खण्ड

1. प्रथम प्रश्न–पत्र — वैदिक साहित्य
2. द्वितीय प्रश्न–पत्र — संस्कृत काव्य तथा नाटक
3. तृतीय प्रश्न–पत्र — काव्य शास्त्र

4. चतुर्थ प्रश्न–पत्र — व्याकरण तथा भाषा विज्ञान
5. पंचम–पत्र — व्याकरण शास्त्र का इतिहास एवं मौखिकी

द्वितीय खण्ड

1. षष्ठ प्रश्न–पत्र — भारतीय दर्शन
2. सप्तम प्रश्न–पत्र — निबन्ध तथा अनुवाद अथवा लघुशोध प्रबन्ध
3. अष्टम तथा नवम प्रश्न–पत्र — निम्न वर्गों में किसी एक वर्ग से दो प्रश्न–पत्र। वेदवर्ग, साहित्य वर्ग, व्याकरण वर्ग, दर्शन वर्ग, धर्मशास्त्र तथा अर्थशास्त्र वर्ग
4. दशम पत्र — काव्यशास्त्र का इतिहास एवं मौखिकी

एम0ए0
संस्कृत साहित्य (विस्तृत–विवरण)

इस विषय में 10 प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र 3 घण्टे समय तथा 100 पूर्णांकों का होगा। पांच पत्र प्रथम खण्ड में तथा पांच द्वितीय खण्ड में होंगे।

प्रथम खण्ड — पूर्णांक 100

1. ऋग्वेदीय सूक्त– अग्नि 1/1, विष्णु 1/154, इन्द्र 2/12, उषा 3/61, बृहस्पति 4/50, वरुण 7/88, यम 10/14, अक्ष 10/34, पुरुष 10/90, नासदीय 10/12 — 30
2. अथर्ववेद – 12/1 पृथिवी सूक्त (प्रारम्भ के 30 मन्त्र) — 10
3. सामवेद– पूर्वार्चिक पवमान काण्ड, अध्याय – 5, खण्ड 1–2 से 20 मन्त्र — 10
4. यजुर्वेद – 40वाँ अध्याय (ईशावास्योपनिषद्) — 10
5. निरुक्त – 1, 2 अध्याय — 20
6. वैदिक साहित्य का इतिहास — 20

पठित मन्त्रों का व्याकरण, सस्वर पदपाठ, संस्कृत टीका– पद्धति में व्याख्या, अधीत देवताओं का स्वरूप आदि विषयों के ज्ञान की भी छात्रों से आशा की जायेगी। मन्त्रों का अर्थ सायण भाष्य, पाश्चात्य, विचारधारा तथा स्वामी दयानन्द के तुलनात्मक दृष्टिकोण से कराया जायेगा।

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देने होंगे)

सहायक ग्रन्थ

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति– बलदेव उपाध्याय
2. सायण, दयानन्द, ग्रिफिथ आदि के वेदभाष्य
3. वेद का राष्ट्रीय गीत– प्रियव्रत वेदवाचस्पति
4. यास्काज निरुक्त – वै0का0 रजवाड़े
5. वैदिक रीडर– मैक्डानल
6. ऋक् सूक्त मंजरी –डॉ0 निगम शर्मा
7. वेदभाष्यकारों की वेदार्थ– प्रक्रियायें– डॉ0 रामनाथ वेदालंकार
8. निरुक्तभाष्य– चन्द्रमणि विद्यालंकार
9. सामवेद भाष्य– पं0 रामनाथ वेदालंकार
10. यजुर्वेद भाष्य– स्वामी दयानन्द
11. The new vedic selection Telang and Chaubey
12. वैदिक साहित्य का इतिहास– पं0 भगवदत्त
13. संस्कृत साहित्य का इतिहास– मैकडॉनल

द्वितीय पत्र
पूर्णांक 100

संस्कृत काव्य तथा नाटक

1. मेघदूतम् 25
2. नैषधीयचरितम्– प्रथम सर्ग 25
3. उत्तर रामचरितम् 50

मेघदूत में दो श्लोकों की संख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न नैषध में दो श्लोकों की व्याख्या एक आलोचनात्मक प्रश्न उत्तर रामचरित से दो श्लोकों की व्याख्या, तीन सूक्तियों की व्याख्या एवं एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा (16+15+9)

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देने होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – कीथ, अनु0 मंगलदेव शास्त्री
2. संस्कृत कविदर्शन – भोलाशंकर व्यास
3. संस्कृतसाहित्यविमर्श – द्विजेन्द्रनाथ शास्त्री
4. भवभूति और उनकी नाट्य कला– अयोध्याप्रसाद सिंह
5. संस्कृत काव्यकार – डॉ0 हरिदत्त शास्त्री

तृतीय पत्र
काव्य–शास्त्र
पूर्णांक 100

1. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्द्योत) आनन्दवर्धन 20
2. काव्यप्रकाश – मम्मट 80

उल्लास 1,2,4 इति श्रीमदभिनवगुप्तपादाचार्याः तक तथा 5,7 (केवल रसदोष) तथा उल्लास 8,9 सम्पूर्ण तथा उल्लास 10 से निम्न अलंकार रहेंगे– अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा, सन्देह, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, अतिशयोक्ति, प्रतिवस्तूपमा, दीपक, तुल्ययोगिता, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, काव्यलिंग, अर्थान्तरन्यास, परिसंख्या, भ्रान्तिमान्, संसृष्टि, संकर।

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देने होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. काव्य प्रकाश, टीका– श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. काव्य प्रकाश, अंग्रेजी नोट्स सहित– गजेन्द्र गड़कर
3. ध्वन्यालोक, टीका– विश्ववेश्वर
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे
5. हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पॉएटिक्स– एस0के0 दे
6. भारतीय साहित्यशास्त्र– बलदेव उपाध्याय

चतुर्थ पत्र
व्याकरण तथा भाषाविज्ञान
पूर्णांकः 100

व्याकरण–

1. काशिका, प्रथम अध्याय, चतुर्थपाद (केवल अर्थोदाहरण) 15
2. महाभाष्य– पस्पशाह्निक 20
3. वाक्यपदीयम्– ब्रह्मकाण्ड (1 से 30 कारिका तक़) 15

भाषाविज्ञान–

4. तुलनात्मक भाषा विज्ञान– 50

भाषाविज्ञान का स्वरूप, इसके अंग, संक्षिप्त इतिहास, भाषा का प्रादुर्भाव तथा विकास, भाषाओं का वर्गीकरण, आकृतिमूलक तथा वंशमूलक (सामान्य परिचय मात्र), भारत यूरोपीय परिवार, विशेषतः आर्य ईरानी भाषा–वर्ग का विशद अध्ययन, भाषाओं में परिवर्तन तथा उसके कारण, वर्गोच्चारण के शरीरावयव, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनिनियम– ग्रिम, ग्रासमान तथा बर्नर के नियम, तालव्य नियम, अर्थ परिवर्तन के नियम

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. काशिका– जयादित्य वामन
2. व्याकरण महाभाष्य– पतंजलि
3. वाक्यपदीयम् – भर्तृहरि
4. तुलनात्मक भाषाविज्ञान– मंगलदेव शास्त्री
5. सामान्य भाषाविज्ञान– बाबूराम सक्सेना
6. भाषाविज्ञान– भोलानाथ तिवारी
7. लैंग्वेज – ब्लूम्फील्ड
8. संस्कृत लैग्वेज– टी. बरो का हिन्दी संस्करण
9. एन इन्ट्रोडक्शन टू कम्पेरेटिव फीलोलोजी– गुणे
10. एलिमैंट्स आफ दि साइन्स ऑफ लैंग्वेज– तारापुरवाला।

पंचम पत्र

पूर्णांक 100

1. **व्याकरण शास्त्र का इतिहास** 50
   (पाणिनी, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, भट्टोजि दीक्षित, जयादित्य वामन का परिचय)
   (इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)
2. **मौखिकी** 50

सहायक ग्रन्थ–

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक

द्वितीय वर्ष

भारतीय दर्शन

षष्ठ पत्र

पूर्णांक 100

1. तर्क भाषा – केशवमिश्र 35
2. वेदान्त सार– सदानन्द 30
3. सांख्यतत्वकौमुदी– वाचस्पति मिश्र 30
   (इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे।)

सहायक ग्रन्थ

1. भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास – नरेन्द्रदेव सिंह
2. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
3. इण्डियन फिलास्फी – दत्त और चैटर्जी
4. इस्सेंशियल्स आफ इण्डियन फिलासफी – हिरियन्ना

सप्तम पत्र   पूर्णांक 100

गवेषणात्मक प्रबन्ध

अथवा

निबन्ध एवं अनुवाद

1. निबन्ध   50

निबन्ध संस्कृत साहित्य के इतिहास सम्बन्धी निम्न विषयों पर पूछा जायेगा। दिये हुए सात–आठ विषयों में से किसी एक पर लगभग एक सौ पचास पंक्तियों का निबन्ध लिखना होगा।

रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, रूपक, गीति काव्य, कथा साहित्य, अलंकार शास्त्री, दर्शन शास्त्र

2. हिन्दी से संस्कृत में   30
3. अनुवाद– संस्कृत से हिन्दी में (अपठित गद्य, पद्य)   20

सहायक ग्रन्थ–

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– पी.वी. काणे, अनु. इन्द्रचन्द्र शास्त्री
2. संस्कृतसाहित्यविमर्शः– द्विजेन्द्रनाथ शास्त्री
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास– कीथ, अनु0 मंगलदेव शास्त्री

अथवा

गवेषणात्मक प्रबन्ध– निबन्ध तथा अनुवाद के पत्र के स्थान पर गवेषणात्मक प्रबन्ध भी लिया जा सकता है। इसके लिए विभागाध्यक्ष की स्वीकृति अपेक्षित होगी। इस विकल्प की सुविधा उन्हें दी जा सकेगी जिनके प्रथम वर्ष में प्राप्तांकों का योग 55 प्रतिशत से कम न होगा। यह प्रबन्ध संस्कृत भाषा में ही लिखना होगा।

परीक्षार्थी को एक निर्देशक की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी होगी। विषय तथा निर्देशक दोनों के विषय में विभागाध्यक्ष की स्वीकृति प्रत्येक वर्ष 30 सितम्बर तक प्राप्त कर लेनी होगी। विशेष परिस्थिति में विभागाध्यक्ष इस तिथि के पश्चात् भी विचार कर सकेंगे। प्रबन्ध में फुलस्केप आकार के टाइप की हुई दो प्रतियां परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व विभागाध्यक्ष के माध्यम से 15 मार्च तक कुलसचिव कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए।

अष्टम/नवम पत्र (विशिष्ट अध्ययन)

अग्रलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग का अध्ययन करना होगा

वेद वर्ग

अष्टम पत्र   पूर्णांक 100

1. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका – स्वामी दयानन्द   25

   निम्नलिखित प्रकरण–

   वेदाविर्भाव, वेदसंज्ञाविचार, वेदोक्त धर्म, राजाप्रजा धर्म, पृथिव्यादिलोकभ्रमण, नौविमानादिविद्या, पितृयज्ञ, ग्रन्थप्रामाण्याप्रामाण्य विषय।
2. ऋग्वेद– सोमसूर्याविवाह 10–85, वृष्टि यज्ञ 10–98, सरमापणि संवाद 10–108, अरण्यानी 10–146, संज्ञानम् 10–191   15
3. अथर्ववेद–वाचस्पति 1–1 ब्रह्मगवी 5–18, ज्येष्ठ ब्रह्म 10–8, प्राण 11–4, रुधिर स्रावणनिवारकम् 1–17, कृमिनाशनम् 2–32, दीर्घायु प्राप्ति 3–11, दुःस्वप्ननाशनम् 16–57, अभययाचना, 6–50 (अथर्ववेद में से)   15
4. निरुक्त   20
5. ऋक्प्रातिशाख्य छन्द प्रकरण   25

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. ऋग्वेद भाष्य, दशम मण्डल, सायण
2. ऋग्वेदभाष्य, दशम मण्डल, स्वामी ब्रह्ममुनि।
3. हिम्स आफ दि ऋग्वेद– ग्रिफिथ
4. वैदिक गृहस्थाश्रम– विश्वनाथ विद्यालंकार।
5. ब्राह्मण की गौ– अभयदेव विद्यालंकार
6. अथर्ववेद भाष्य– जयदेव विद्यालंकार
7. अथर्ववेद भाष्य– सातवलेकर
8. निरुक्तसंमर्श– स्वामी ब्रह्ममुनि

नवम पत्र

पूर्णांक 100

1. यजुर्वेद– पुरुषमेध अध्याय 30, 31	15
2. पितृमेध अध्याय 35	15

याज्ञिक व्याख्या के परिचय सहित स्वामी दयानन्द की शैली से अध्ययन। शतपथब्राह्मण के सम्बद्ध प्रकरण भी देखने चाहिए

3. सामवेद– पावमान पर्व दशाति 1 तथा 2	15
4. ऐतरेय ब्राह्मण, अध्याय 33, 38–40	15
5. सिद्धान्तकौमुदी– वैदिकी प्रक्रिया	15
6. सौवर– स्वामी दयानन्द	10
7. शतपथ ब्राह्मण काण्ड– 5 (राजसूय यज्ञ)	15

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. शतपथब्राह्मण, पुरुषमेध तथा पितृमेध प्रकरण
2. यजुर्वेद भाष्य– महीधर
3. यजुर्वेदभाष्य– स्वामी दयानन्द
4. सामवेदभाष्य– तुलसीराम
5. सामवेदभाष्य– जयदेव विद्यालंकार
6. सामसंस्कारभाष्यम्– भगवदाचार्य
7. सोम सरोवर– चमूपति
8. ऐतरेय ब्राह्मण– हिन्दी अनुवाद, गंगा प्रसाद उपाध्याय
9. वैदिक व्याकरण– डॉ0 राम गोपाल
10. वैदिकी प्रक्रिया– उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
11. वैदिक स्वरमीमांसा– युधिष्ठिर मीमांसक
12. शतपथब्राह्मणम्– पंचमकाण्ड

साहित्य वर्ग

अष्टमपत्र

पूर्णांक 100

नाटक तथा नाट्यशास्त्र

1. नाटक–

क.	मुद्राराक्षसम्– विशाखदत्त	50
ख.	रत्नावली नाटिका– श्री हर्षदेव	

2. नाट्यशास्त्र–

नाट्यशास्त्र– भरत, अध्याय 1, 2	15

दशरूपक – धनंजय 35

सम्बद्ध विषयों पर समालोचनात्मक तथा संस्कृत–साहित्य के इतिहास सम्बन्धी प्रश्न भी पूछे जायेंगे। इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे।

सहायक ग्रन्थ–

1. संस्कृत नाटक– कीथ, अनु0 उदयमान सिंह
2. संस्कृत नाटककार– कान्तिकिशोर भरतिया
3. अभिनव भारती, हिन्दी टीका– विश्वेश्वर
4. टाइप्स आफ संस्कृत ड्रामा– मंकड

नवम पत्र

गद्य साहित्य तथा चम्पू

पूर्णांक 100

गद्य साहित्य

1. कादम्बरी कथामुख पर्यन्त 35
2. वासवदत्ता (मकरंदोपदेशपर्यन्त)– सुबन्धु 35

चम्पू

3. नलचम्पू – प्रथम उच्छ्वास त्रिविक्रमभट्ट 30

पठित कवियों पर समालोचनात्मक तथा संस्कृत–साहित्य के इतिहास सम्बन्धी प्रश्न पूछे जायेंगे (इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे

सहायक ग्रन्थ–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– कीथ, अनु0 मंगलदेव शास्त्री
2. संस्कृत कविदर्शन– भोलाशंकर शास्त्री
3. संस्कृत काव्यालंकार– हरिदत्त शास्त्री
4. नलचम्पू, प्रथम उच्छ्वास– रामनाथ वेदालंकार
5. हिन्दी नलचम्पू– कैलाशपति त्रिपाठी

व्याकरण वर्ग

अष्टम पत्र

पूर्णांक 100

1. काशिका, प्रथम अध्याय (द्वितीय पाद छोड़कर) वामन जयादित्य 50
2. सिद्धान्तकौमुदी, स्त्रीप्रत्यय (सूत्रार्थ, उदाहरण, सिद्धि)– भट्टोजि दीक्षित 25
3. महाभाष्य, प्रथम आह्निक– पतंजलि 25

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

नवम पत्र

पूर्णांक 100

1. काशिका, द्वितीय अध्याय– वामन जयादित्य 40
2. वाक्यपदीय, प्रथम काण्ड– भर्तृहरि 20
3. महाभाष्य, द्वितीय आह्निक– पतंजलि 20
4. व्याकरणशास्त्र का इतिहास 20

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ

1. सिस्टम आफ संस्कृत ग्रामर – एस0के0 बेलवलकर।
2. व्याकरणशास्त्र का इतिहास– सत्यकाम वर्मा
3. वाक्यपदीय– सत्यकाम वर्मा

दर्शन वर्ग

अष्टम पत्र

पूर्णांक 100

1.	न्यायदर्शन प्रथम अध्याय– वात्स्यायन भाष्य	35
2.	वैशेषिक दर्शन– द्रव्यप्रकरण पर्यन्त	30
3.	न्याय मुक्तावलि– प्रशस्तपादभाष्य	35

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ

1. भारतीय न्यायदर्शन– ब्रह्ममित्र अवस्थी
2. भारतीय दर्शनशास्त्र– न्यायवैशेषिक– धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री
3. वैशेषिक दर्शन एक अध्याय– मिश्र

नवम पत्र

योग वेदान्त का इतिहास

पूर्णांक 100

1.	ब्रह्मसूत्र चतुःसूत्री शांकरभाष्य	30
2.	योगदर्शन 1, 2 पाद– व्यासभाष्य	30
3.	भारतीय दर्शन का इतिहास	40

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. भारतीय दर्शन का इतिहास– नरेन्द्र देव सिंह
2. भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा– हिरियन्ना
4. फिलासफीज आफ इण्डिया – विसम्भर
5. सिस्टम आफ वेदान्त– डायसन
6. योग फिलासफी इन रिलेशन टु अदर सिस्टम आफ इण्डियन थाट– एस.एस. दास गुप्ता

धर्मशास्त्र वर्ग

(धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र)

अष्टम पत्र

पूर्णांकः 100

1.	आपस्तम्ब धर्मसूत्र (ब्रह्मचर्य तथा राजधर्म प्रकरण)	20
2.	गौतम धर्मसूत्र (गृहस्थ प्रकरण)	20
3.	मनुस्मृति (1–8 अध्याय)	25
4.	पराशरस्मृति	15
5.	धर्मशास्त्र का इतिहास (केवल स्मृति साहित्य का इतिहास)	20

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. आपस्तम्ब धर्मसूत्र
2. गौतम धर्मसूत्र
3. पराशर स्मृति
4. हिस्ट्री ऑफ धर्मशास्त्र, प्रथम भाग, सम्बद्ध प्रकरणः पी0वी0 काणे
5. मनुस्मृति कुल्लूक टीका चौखम्बा वाराणसी

नवम पत्र — पूर्णांक 100

1. मनुस्मृति (9–12 अध्याय) — 30
2. याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहार अध्याय) — 30
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र (1–7 अधिकरण) — 40

(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. हिस्ट्री ऑफ धर्मशास्त्र, प्रथम भाग, सम्बद्ध प्रकरण– पी0वी0 काणे
2. मनुस्मृति कुल्लूकटीका चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. याज्ञवल्क्यस्मृति, मिताक्षरासहित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र– उदायवीर शास्त्री
5. कौटिल्य अर्थशास्त्र– वाचस्पति गैरोला

दशम पत्र — पूर्णांक 100

1. काव्यशास्त्र का इतिहास — 50

(भरत, भामह, दण्डी, मम्मट, पं0 जगन्नाथ, विश्वनाथ, कुन्तक, क्षेमेन्द्र एवं आनन्दवर्धन का परिचय
(इस पत्र में 30 प्रतिशत अंक के प्रश्नोत्तर संस्कृत भाषा में देय होंगे)

2 मौखिकी — 50

सहायक ग्रन्थ–

1. काव्य शास्त्र का इतिहास– पी0वी0 काणे
2. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास– मीरासी

एम0 ए0 दोनो वर्षों की छात्र संख्या सत्र 2009–2010

एम.ए. प्रथम	27
एम. ए. द्वितीय	18
कुल योग	**45**

(ग) पी–एच0 डी0 स्तर–

शोधकार्य के क्षेत्र में पी–एच.डी. उपाधि प्रदान की जाती है तथा एम.ए. द्वितीय वर्ष में वैकल्पिक पत्र के रूप में 'लघुशोध' पाठ्यक्रम में सम्मिलित है।

पी–एच.डी. के लिए यू.जी.सी. के नियमानुसार प्रवेश परीक्षा के पश्चात् छात्रों का पंजीकरण होता है।

पी–एच0 डी0 छात्र संख्या सत्र 2009–2010

पी–एच.डी. शोध कार्यरत छात्र – 10+10+05+4 = 29

3. प्रवेशप्रक्रिया

स्नातक, स्नातकोत्तर निर्धारित सीटों के लिए योग्यताक्रम के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। नियमानुसार प्रवेश में आरक्षण नियमों का भी पालन होता है।

4. शुल्क विवरण

1.	वेदालंकार / विद्यालंकार	380 मात्र
2.	एम.ए. प्रथम	450 मात्र
	एम.ए. द्वितीय	100 मात्र

5. विभागीय प्राध्यापकों का विवरण

प्रो0 वेदप्रकाश शास्त्री

नाम– प्रो0 वेदप्रकाश शास्त्री
पद– प्रोफेसर
वेतनमान – 37000–67000, **मूलवेतन–** 56270, **प्राप्य–** 90790/–
अध्यापन अनुभव– 43 वर्ष
प्रशासनिक अनुभव– 15 वर्ष
शैक्षणिक योग्यता– आचार्य (साहित्य), एम0ए0
शोधक्षेत्र– काव्य, काव्यशास्त्र एवं वैदिकसाहित्य
जन्मतिथि– 06–06–1945
दूरभाष– 01334–243451, 09719004452
प्रकाशन– शोधपत्र– 100
पुस्तक– श्रुतिमंजरी
शोधसंगोष्ठी एवं शोधसम्मेलन– 50 शोधसंगोष्ठियों में भागग्रहण।

डॉ0 महावीर

नाम – डॉ0 महावीर
पद – प्रोफेसर
वेतनमान – 37000–67000, **मूलवेतन–** 54670, **प्राप्य–** 90630/–
अनुभव– 1. **अध्यापन** – 37 वर्ष 5 माह
2. **प्रशासनिक–** 3 वर्ष 5 माह, कुलसचिव पद, गुरुकुल कांगड़ी वि0वि0।
– 3 वर्ष 4 माह, संकायाध्यक्ष, प्राच्यविद्या
– 19 वर्ष, संस्कृत विभागाध्यक्ष
शैक्षिक योग्यता– एम0ए0(संस्कृत, वेद, हिन्दी), व्याकरणार्य, पी–एच0डी0, डी0 लिट्
शोधक्षेत्र– वैदिकसाहित्य, व्याकरण, संस्कृतसाहित्य
जन्मतिथि– 09–10–1951
ई मेल– mahavir_gkv@yahoo.co.in
दूरभाष– 01334–228544, 09412918949
प्रकाशन– (क)पुस्तकें – 1. वाल्मीकि रामायण में रस विमर्श।
2. वैदिक अर्थव्यवस्था।
3. महाकवि कालिदास
4. ऋक्–सूक्त–मंजूषा।

5. संस्कृत गद्य लतिका ।

(ख)शोधपत्र एवं लेख– लगभग 50 शोधपत्र एवं लेख

शोध–सम्मेलनों का आयोजन एवं सहभागिता–

दो अन्तार्राष्ट्रीय शोध–संगोष्ठियों का तथा चार राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों का संयोजन किया। अनेक राष्ट्रीय, अन्तार्राष्ट्रीय शोध–सम्मेलनों में मुख्य–अतिथि, अध्यक्ष, मुख्यवक्ता आदि के रूप में भाग लिया।

डॉ0 सोमदेव शतांशु

नाम– डॉ0 सोमदेव शतांशु

पद– प्रोफेसर

वेतनमान – 37000–67000, **कुल वेतन–** 90000/–

अनुभव– **अध्यापन** 24 वर्ष

प्रशासनिक – दो वर्ष, संस्कृत विभागाध्यक्ष

शैक्षणिक योग्यता– एम0ए0, एम0 फिल्0, पी–एच0डी0, नेट/जे0आर0एफ0।

शोधक्षेत्र– वैदिकसाहित्य

जन्ततिथि– 29–05–1959

ई मेल– somdev29@gmail.com

दूरभाष– 01334–212069, 09837647427

शोधपत्रप्रकाशित– राष्ट्रिय पत्रिका में 25 शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। देश की प्रसिद्ध पुस्तकों में 4 लेख प्रकाशित हो चुके हैं।

शोधसंगोष्ठी एवं शोधसम्मेलन– 30 राष्ट्रियशोधसंगोष्ठीयों में भाग ग्रहण किया। 04 अन्ताराष्ट्रिय शोधसंगोष्ठियों में भागग्रहण किया।

डॉ0 ब्रह्मदेव

नाम – डॉ0 ब्रह्मदेव

पद – एसोसिएट प्रोफेसर

वेतनमान – 43250+9000 **कुल वेतन–** 69011/–

अध्यापन अनुभव– 18 वर्ष

शैक्षणिक योग्यता– एम0ए0, एम0 फिल्0, पी–एच0डी0,

शोधक्षेत्र– संस्कृत व्याकरण

जन्मतिथि– 30–10–1963

ई मेल– brahma63@gmail.com

दूरभाष– 01334–243211, 09412307123

प्रकाशन– पुस्तकसम्पादित 1. वैदिक–इतिहासार्थ–निर्णय(ले0 पं0 शिवशंकर काव्यतीर्थ), प्रकाशक– डॉ0 राजेन्द्र विद्यालंकार, सत्यार्थप्रकाशन न्यास, 1425, सैक्टर–13, अर्बन एस्टेट, कुरुक्षेत्र (हरियाणा), सम्पादित संस्करण, नवम्बर 2009

2. देवप्रशस्तिकाव्यम् (ले0 डॉ0 वीरेन्द्र अलंकार), प्रकाशक– सुरुचि प्रकाशन, 1093, सैक्टर–15 ए, फरीदाबाद, प्रथम संस्करण 1989

शोधपत्र एवं लेख– 15 शोधपत्र एवं लेख

संगोष्ठी / सम्मेलन में भाग ग्रहण– 30

डॉ0 मौहर सिंह मीणा

नाम	:	**डॉ0 मौहर सिंह मीणा**
जन्म-तिथि	:	28 **सितम्बर** 1975
वर्तमान पद	:	**असिस्टेण्ट प्रोफेसर,** **संस्कृत विभाग, प्राच्यविद्या सङ्काय** **गुरुकुल काङ्गड़ी विश्वविद्यालय,** **हरिद्वार**-249404 (**उत्तराखण्ड**)
स्थायी पता	:	18 **विsष्णु गार्डन,** **समीप सिंहद्वार, गुरुकुल काङ्गड़ी** **हरिद्वार** -249404 (**उत्तराखण्ड**)
वेतनमान	:	18,840+6000
कुल प्राप्त वेतन	:	36,063/
अध्यापन अनुभव	:	4 **वर्ष**
शैक्षिक योग्यता	:	**एम**0**ए**0, **एम**0**फिल्**0, **पी-एच्**0**डी**0, **नेट**(**जे**0**आर**0**एफ**0)
दक्षता क्षेत्र	:	**काव्यशास्त्र एवं संस्कृत साहित्य**
भाषाओं का ज्ञान	:	**हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी।**
ई मेल–		msmeenagk@gmail.com
दूरभाष नं0	:	**चलभाष नं**0-09808489795 **कार्यालय नं**0-01334-249151
प्रकाशित एवं अप्रकाशित शोधपत्र	:	3 **शोधपत्र प्रकाशित**, **अप्रकाशित** 4
सम्मेलन एवं सङ्गोष्ठी	:	2 **अन्ताराष्ट्रिय एवं** 7 **राष्ट्रिय**

6. विभागीय शोधगतिविधियाँ

विभाग में शोधकार्य के क्षेत्र में पी–एच.डी. उपाधि हेतु शोधकार्य होता है। एम.ए. द्वितीय में वैकल्पिक पत्र के रूप में लघुशोध भी एक विषय है। समय–समय पर संस्कृत से सम्बद्ध विभिन्न विषयों, शोध–संगोष्ठियों का आयोजन होता है तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठियों में प्राध्यापक एवं छात्र भाग ग्रहण करते हैं। डॉ. महावीर अग्रवाल जी के निर्देशन में एक बृहत्शोध परियोजना **'वैदिक वाङ्मय में प्रबन्धन तत्त्व'** पर पूर्णता की ओर है।

7. शोध संगोष्ठी–

1. मार्च 2006 **वेद और वाल्मीकि रामयण** पर राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी जिसमें देश के 500 विद्वानों ने भाग लिया।
2. फरवरी 2007 में **अन्तर्राष्ट्रिय वेद वेदांग विद्वत्सम्मेलन** जिसमें 800 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
3. नवम्बर 2009 में **विश्ववेद सम्मेलन** अन्तराष्ट्रिय शोध संगोष्ठी का आयोजन हेतु जिसमें 1500 विद्वानों ने भाग लिया।

8. विभागीय संसाधन

क. भवन क्षेत्रफल – लगभग 4400 वर्गफीट में चार शिक्षण कक्ष (प्रत्येक में 35 छात्रों के बैठने की सुविधा) एवं छः प्राध्यापक कक्ष हैं।

9. खेलकूद / अतिरिक्त

क. विश्वविद्यालय के क्रीडा विभाग द्वारा चलाये जा रहे समस्त सुविधाएं विभाग के छात्रों को प्राप्त हैं।

ख. विभाग द्वारा समय–समय पर संस्कृत सम्भाषण, वाद–विवाद, श्लोकोच्चारण, नाटक मंचन प्रतियोगिता आदि का आयोजन होता रहता हैं।

10. कम्प्यूटर

क. विभाग में तीन कम्प्यूटर एवं दो लैपटॉप हैं।

अध्यक्ष
संस्कृत विभाग